B.A sem-1

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र क्या है ?

तर्कशास्त्र का सम्बन्ध युक्तियों से है। युक्तियों के घटक (constituents) तर्कवाक्य या कथन होता है।

सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर घूमता है —(1)
मंगल एक ग्रह है —(2)
अतः मंगल सूर्य के चारों ओर घूमता है —(3)

यह एक युक्ति का उदाहरण है। इस युक्ति के घटक (1), (2) और (3) तर्क वाक्य है इस तर्क वाक्यों मे (1) और (2) आधार वाक्य तथा निष्कर्ष वर्णनात्मक वाक्यों है और (3) उनका निष्कर्ष। अपितु इन वाक्यों के अर्थ से। पर किसी भी तथ्य को व्यक्त करने का माध्यम भाषा ही है। किसी भाषा मे व्यक्त किसी तथ्य का प्रसगानुसार ठीक-ठीक अर्थ लगा लेना कठिन होता है क्योंकि किसी भी शब्द के अनेक अर्थ होते है। कभी वाक्यो की बनावट के कारण कभी कहावतों मुहावरों के प्रयोग के कारण, कभी शब्दों की ~~स्पष्टता~~ अनेकार्थिकता के कारण जो अर्थ होना चाहिए वह अर्थ नही लग पाता है। भाषा की दुरूहता को शुद्ध करना तर्कशास्त्र का लक्ष्य नही है

पर जबतक भाषा शुद्ध नहीं हो जाती
तब तक युक्तियों की वैधता या अवैधता
की समस्या का समाधान नहीं हो
सकता है। भाषा की इस कठिनाई से
बचने के लिए बहुत से विद्वानों ने अपने
तकनीकी शब्द कोष को विकसित किया है
रसायनशास्त्र में भौतिक विज्ञान में, एव
गणित में अपने प्रतीकों का प्रयोग
होता है। उसी प्रकार भाषा की दुरूहता से
बचने के लिए तर्कशास्त्र में तर्कवाक्यों या
उनके सम्बन्धों के लिए प्रतीकों का प्रयोग
होता है।
फिर, एक कठिनाई और उपस्थित होती है
विज्ञानों में प्रयुक्त सामग्रियाँ अनेक
होती है उन्हें भाषा में विस्तारपूर्वक अंकित
करने में समय और स्थान दोनों की
बहुत अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है